Contents



## विषय-सूची


| | पृष्ठसंख्या |
|---|---|
| प्राक्कथन -- -- | क - ञ |
| प्रथम अध्याय : | 1 - 40 |
| डा० धर्मवीर भारती : जीवनी एवं व्यक्तित्व | |
| प्रस्तुत अध्ययन की आवश्यकता, जन्मस्थान, माता-पिता एवं वंश परिचय, बाल्य जीवन, शिक्षा-दीक्षा एवं प्रेरणा और प्रभाव, आजीविका, प्राध्यापक डा० भारती, प्रेम और विवाह, विवाह और आंतरिक संघर्ष, इलाहाबाद के बाद आबाद डा० भारती, साहित्याराधक डा० भारती, जीवन दृष्टि और व्यक्तित्व के विभिन्न पक्ष । | |
| द्वितीय अध्याय : | 41 - 70 |
| युगीन पृष्ठभूमि - | |
| प्रस्तुत अनुशीलन की आवश्यकता एवं डा० भारती के समय की विभिन्न पृष्ठभूमियां -(1) राजनीतिक (2) सामाजिक(3)पारिवारिक (4) आर्थिक एवं (5) धार्मिक-सांस्कृतिक परिस्थितियां । | |
| तृतीय अध्याय : | 71 - 149 |
| डा० भारती के समसामयिक साहित्य की विकास-भूमियां | |
| (क) काव्य-साहित्य - सामयिकता से तात्पर्य-विभिन्न मत तथा निष्कर्ष । | |
| हिन्दी कविता : प्रेरणा और प्रभाव, द्विवेदी युगीन काव्य चेतना, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवादी काव्य-चेतनाएं तथा नयी कविता । | |

पृष्ठ संख्या

(ख) गद्य-साहित्य : 113

(1) हिन्दी उपन्यास :- प्रेमचंदोत्तर उपन्यास- साहित्य, कथ्य एवं शिल्पगत नवीन उपलब्धियाँ ।

(2) कहानी साहित्य :- स्वातंत्र्योत्तर कहानी साहित्य, कथ्य एवं शिल्पगत विशेषताएं,

(3) नाटक-साहित्य :- हिन्दी नाटक, वस्तु और शिल्प एवं रंगमंचगत नये आयाम, निष्कर्ष ।

(4) निबंध साहित्य :- विकास-भूमि(छायावाद युग तथा उत्तर कालीन हिन्दी निबंध, नयी पीढ़ी के निबंधकार, निबंध विधा के नये रूप(विकास और प्रदेय की दृष्टि से )

(5) आलोचना :- छायावादोत्तर हिन्दी आलोचना का विकास(पाश्चात्य प्रभाव तथा विभिन्न आन्दोलनों के प्रभाव के परिप्रेक्ष्य में )

चतुर्थ अध्याय : 150 - 266

डा० धर्मवीर भारती प्रणीत काव्य -

काव्य-कृतियाँ और उनका वर्गीकरण -

वर्गीकरण -(1) प्रणयानुभूति एवं विरह वेदनामूलक रचनाएं (2) रूपोपासना एवं नारी-भावनामूलक रचनाएं (3) प्रकृति चित्रणपरक रचनाएं(4) व्यंग्य प्रधान रचनाएं (5) स्फुट रचनाएं, कनुप्रिया एक अनुशीलन : आलोच्य कृतियों में भाव योजना तथा रस दर्शन ।

पंचम अध्याय : 267 - 330

डा० धर्मवीर भारती के काव्य का शिल्प पक्षीय अध्ययन -

भाषा सौष्ठव - शब्द सम्पत्ति, मुहावरे, व्याकरणिक रूपों का प्रयोग, शब्द शक्ति, उपमान विधान एवं अलंकार विन्यास, बिम्ब एवं प्रतीक विधान, छंद शास्त्रीय अनुशीलन ।

पृष्ठ संख्या

षष्ठम अध्याय : 331 - 406

डा० भारती जी का कथा-साहित्य -

गद्य साहित्य के विविध रूप और गद्यकार धर्मवीर भारती ।

डा० भारती का कथा साहित्य

उपन्यास - गुनाहों का देवता, सूरज का सातवां घोड़ा, ग्यारह सपनों का देश (सह्योगी उपन्यास )

आलोच्य कृतियों का वस्तुगत, शिल्पगत तथा समस्या एवं उद्देश्यगत अध्ययन ।

कहानी साहित्य - कहानीकार डा० धर्मवीर भारती एवं उनकी कहानियों का वर्गीकरण, वस्तु चयन का क्षेत्र, शिल्पगत विविध आयाम, निष्कर्ष ।

सप्तम अध्याय : 407 - 450

डा० भारती का नाट्य साहित्य -

(आलोच्य नाट्य कृतियां एवं नाटकीय कला सौष्ठव के परिप्रेक्ष्य में उनका अध्ययन )

अंधायुग - वस्तु नियोजना, रंगमंच एवं अभिनयता, पात्र सृष्ठि, भाषा संरचना एवं संवाद योजना ।

एकांकी साहित्य - वस्तु चयन का क्षेत्र एवं आलोच्य एकांकियां, वस्तु - नियोजना, रंगमंचयिता, पात्र-योजना, भाषा संरचना एवं संवाद योजना ।

अष्टम अध्याय : 451 - 505

डा० भारती के कथा और नाट्य साहित्य में प्रतिबिम्बित भारती जीवन -

(क) सामाजिक परिवेश - पारिवारिक जीवन, नारी वर्ग : विविध परिपार्श्व- वैवाहिक संदर्भों की अभिव्यक्ति, वैवाहिक प्रथाएं-मान्यताएं एवं नवीन दृष्टिकोण, परम्पराएं-रूढ़ियां तथा लोक विश्वास, अन्य सामाजिक मान्यताएं एवं अंध विश्वास, ग्राम जीवन की विविध वृत्तियां, मध्यवर्गीय जीवन की कुण्ठा और विकृतियों का अंकन, नयी सामाजिकता और चेतना के नये स्वर ।

पृष्ठसंख्या

(ख) धार्मिक परिवेश- धार्मिक रूढ़ियां एवं मान्यताएं

(ग) आर्थिक परिवेश- आर्थिक स्थिति (विविध वर्ग), आर्थिक चेतना का स्वर ।

(घ) राजनीतिक परिवेश-अंग्रेजी शासन और उसके परिणाम, महात्मा गांधी-नीति दर्शन एवं स्वतंत्रता आन्दोलन, स्वातंत्र्योत्तर राजनीतिक जीवन, गांवों की नयी राजनीतिक चेतना, निष्कर्ष ।

नवम अध्याय : 506 - 572

डा० भारती का निबंध, समीक्षा एवं अनूदित साहित्य -

(क) निबंध साहित्य- निबंधकार धर्मवीर भारती, उपलब्ध निबंध साहित्य, निबंधों का वर्गीकरण, निबंधों का शैली तात्त्विक-अध्ययन ।

(ख) समीक्षा साहित्य- डा० भारती की चिंतन प्रणाली, एवं उनकी समीक्षा दृष्टि, समीक्षात्मक कृतियां, प्रगतिवाद एक समीक्षा, मानवमूल्य और साहित्य ।

(ग) अनूदित साहित्य- अनुवाद से तात्पर्य एवं उसकी गुणवत्ता का आधार, अनूदित कृतियां : एक मूल्यांकन निष्कर्ष :

दशम अध्याय : उपसंहार : 573 - 583

डा० भारती : उपलब्धियां और देन ।

परिशिष्ट - 1 आलोच्य ग्रंथों की सूची (डा० भारती जी की रचनाएं । 584 - 593

परिशिष्ट - 2 सहायक ग्रंथों की सूची ।

परिशिष्ट- 3 पत्र-पत्रिकाएं ।

परिशिष्ट- 4 डा० भारती जी के पत्र ।

---